जागृति

वर्ष:60 अंक:10 मुम्बई सितम्बर 2016

ऋतु बेरी के विशेष खादी कलेक्शन का लोकार्पण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ग्रामीण औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने संसद भवन, नई दिल्ली में
दिनांक 4 अगस्त, 2016 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की,
जहां उन्होंने माननीय प्रधान मंत्री को आयोग द्वारा किये गये नये प्रयासों के बारे में जानकारी दी।

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की
औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:60 अंक:10 मुम्बई सितम्बर 2016

सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
अरुण कुमार झा

सम्पादक
के. एस. राव

उप सम्पादक
सुबोध कुमार

अवर उप सम्पादक
अमृता सोम मुखर्जी

अवर हिन्दी अनुवादक
सरस्वती खनका

वरिष्ठ कलाकार
संजय एस. सोमदे

कलाकार
चंद्रशेखर पुनवटकर,
दिलीप पालकर

के. सुब्बाराव, द्वारा प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय, खादी और ग्रामोद्योग आयुक्त कार्यालय, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 के लिए प्रकाशित

टेलिफैक्स: 022-26719465

ई-मेल: jagritikvic@gmail.com वेबसाईट www.kvic.org.in

प्रचार, फिल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय, खादी और ग्रामोद्योग आयुक्त कार्यालय, ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई - 400 056 में प्रकाशित

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता शुल्क	:	रू. 100/-
3 वर्ष के लिये सदस्यता शुल्क	:	रू. 250/-

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा व्यक्त विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा सम्पादक सहमत हों।

इस अंक में...

समाचार सार 4 से 26

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने किया ऋतु बेरी के खादी कलेक्शन..........
आयोग ने पी.एम.ई.जी.पी. ऑनलाइन हेतु कॉरपोरेशन बैंक के साथ..........
खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन की शुरुआत..........
स्वतंत्रता के अधिकार के साथ उत्तरदायित्व की भावना....-गिरिराज सिंह.....
आयोग के अध्यक्ष ने पश्चिम क्षेत्रीय एमएसएमई कॉन्क्लेव में भाग लिया....
एक साथ मिलकर काम करने का अवसर..
अध्यक्ष महोदय ने बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र, पंजोखेरा का दौरा किया......
आयोग ने लोकार्पित किया डिज़ाइनर खादी वेडिंग कलेक्शन..................
मणिपुर और गोवा सरकार ने कर्मचारियों से सप्ताह में एक दिन खादी........
आदर्श ग्राम योजना के तहत आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद........
विदेशी प्रतिनिधि मण्डल द्वारा आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद.......
आयोग ने पूरे उत्साह के साथ मनाया 70वां स्वतंत्रता दिवस..................
आयोग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली सद्भावना शपथ...............
मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा दीन दयाल उपाध्याय ट्रस्ट का दौरा..........
आयोग मुख्यालय, मुंबई में हिन्दी कार्यशाला आयोजित........................
खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 635वीं बैठक के मुख्यांश..................

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां..........27 से 35

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने किया ऋतु बेरी के खादी कलेक्शन का लोकार्पण

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने खादी इंडिया बिक्री केंद्र, रिगल बिल्डिंग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली में महिलाओं और पुरुषों के लिए उत्कृष्ट खादी कलेक्शन लाँच किया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के केंद्रीय मंत्री श्री कलराज मिश्र ने 7 अगस्त 2016 को ऋतु बेरी के उत्कृष्ट खादी कलेक्शन का उद्‌घाटन किया। इस अवसर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री हरिभाई पर्थीभाई चौधरी भी उपस्थित थे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष महोदय श्री विनय कुमार ने इस सम्बन्ध में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे पैनल में 25 से अधिक डिजाइनर हैं जो महिलाओ और पुरुषों के वस्त्र डिजाईन करते हैं और यह विभिन्न रेंज में उपलब्ध है।

तथापि, अब ऋतु बेरी के सहयोग से खादी वस्त्र आधुनिक फैशन से परिपूर्ण होंगे। भारत में ऋतु बेरी के महिलाओं और पुरुषों के नवीनतम फैशनयुक्त खादी वस्त्रों की प्रदर्शनी लगाई गई हैं।

इस कलेक्शन में पूर्व और पश्चिम का मिश्रण हैं जिसमें आधुनिकता के साथ भारतीय संस्कृति की झलक दिखाई देती है।

रचनात्मकता के विभिन्न रूपों के साथ ही अतीत की छवि को बनाये रखने की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए, बेरी ने खादी को वैश्विक प्रतिरूप देने का प्रयास किया है। साथ ही समकालीन समृद्ध परंपरा का मिश्रण करते हुए वस्त्र को ग्लैमरस बनाया है जो कि पहनने के लिए आसान हैं।

इस कलेक्शन में विभिन्न डिजाईनो के घागरा, सलवार, जैकेट और टॉप का सुन्दर संग्रह उपलब्द्ध है। महिलाओं के लिए खादी के इस वृहद कलेक्शन में चिकनकारी और कढाई किये हुए उत्कृष्ट वस्त्र भी शामिल हैं।

इस कलेक्शन में विभिन्न आकर्षक रंगों जैसे सफेद, पेस्टल मेटलिक और काले रंग के वस्त्र काफी पसंद किये जा रहे हैं।

आयोग ने पी.एम.ई.जी.पी. ऑनलाइन हेतु कॉरपोरेशन बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण कुमार झा ने आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना एवं आयोग के अन्य सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में कॉरपोरेशन बैंक के प्रतिनिधि व मुख्य महाप्रबंधक श्री पूर्णचंद राव के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये ।

यह समझौता प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम की ऑनलाइन प्रणाली के संचालन के लिए किया गया है । कॉरपोरेशन बैंक मार्जिन मनी सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थियों को उन्हें वित्त उपलब्ध कराने वाले बैंक खाते में ऑनलाइन संवितरण हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र अभिकरण होगा। यह समझौता ज्ञापन प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम के कार्यान्वयन की गति में वृद्धि लाने व इसमें गुणवत्ता व पारदर्शिता लाने के लिए सक्षम होगा ।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा टोल फ्री हेल्पलाइन की शुरुआत

श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के टोल फ्री हेल्प लाइन का उद्घाटन किया।

अब खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कार्यक्रम के संबंध में जस्ट डाइल 18003000034 से आसानी से जानकारी हासिल कर सकते हैं तथा इससे हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में सुसंगत जानकारी प्राप्त होगी। वर्तमान में सप्ताह के छः दिनों मे सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे के मध्य सेवाएं उपलब्ध होगी एवं आगे जरुरत के आधार पर तथा प्राप्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर इस सेवा में विस्तार किया जाएगा।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने कॉल सेंटर के लिए राजस्थान में स्थित फाइल स्पलश इन्फोटेक प्राइवेट लि. कंपनी को कॉन्ट्रॅक्ट दिया हैं। यह कंपनी छोटे नगरों और ग्रामीण क्षेत्रों के जनता के साथ कार्य करने वाली एक सामाजिक उद्यम हैं। यह उद्यम महिला रोजगार पर अधिक काम करता हैं।

यह कंपनी संपूर्ण भारत में स्थित खादी और ग्रामोद्योग आयोग के क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी एक टोल फ्री नंबर के माध्यम से प्रदान करेगा। इस संबंध में यह निर्णय लिया गया है कि इस सेवा का शीघ्र ही खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अन्य डिविजनों में विस्तार किया जाएगा तथा साथ ही प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रमों, खादी केन्द्रों, फुटकर खरीदी इत्यादि के लिए केन्द्रीकृत सहयोग भी प्रदान किया जायेगा।

इस कॉल सेंटर की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं :-

- यह मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अंतर्गत पुछताछ करने के लिए संपर्क साधने का एक केन्द्र हैं।
- यहाँ पर संपूर्ण भारत में संचालित किसी भी कार्यक्रम अथवा प्रशिक्षण से संबंधित प्रतिक्रिया व्यक्त करने अथवा शिकायत करने की सुविधा हैं।
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अपनी जरुरत के आधार पर कार्यक्रमों में सुधार लाने के लिए इससे उपयोग में लाया जाएगा।
- उद्यमिता जागरुकता विकास कार्यक्रमों के बारे में पूछताछ कि जा सकती हैं।

इस टोल फ्री नंबर से निम्नलिखित प्रमुख लाभ होंगे :-

- खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अंतर्गत सभी गतिविधियों के लिए संपर्क करने हेतु यह एक मात्र केंन्द्र हैं। यह खादी और ग्रामोद्योग आयोग में एक ड़िजिटल क्रांति होगी।
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अंतर्गत चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में भावी प्रशिक्षणार्थीयों को जागरुक करने और प्रतिक्रिया व्यक्त करने के समय में सुधार होगा।
- यह कॉल सेंटर, कॉल करने वाले व्यक्ति के संबंध में जानकारी हासिल करेंगे और इसी डाटाबेस का उपयोग खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अन्य कार्यक्रमों के बारे में जानकारी अधिक से अधिक लोगों को देने के लिए भी करेंगे।
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा किये गए विभिन्न पहलों का लाभ उठाने जनता को और अधिक अवसर प्रदान करेगा।

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री, साध्वी निरंजन ज्योती ने अगस्त 2016 माह में अहमदाबाद का दौरा किया, इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद स्थित कामधेनु खादी भवन का दौरा किया एवं खादी ग्रामोद्योगी कार्यों की सराहना की तथा खादी उत्पादों की खरीदी की ।

नई दिल्ली स्थित खादी इण्डिया बिक्री केन्द्र में रक्षाबंधन कार्यक्रम मनाया गया, जहां सांसद श्रीमती मिनाक्षी लेखी ने एमएसएमई मंत्री श्री कलराज मिश्र को रखी बांधी।

हाल ही में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के महानिदेशक, श्री दीपक कुमार एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के संयुक्त सचिव, श्री बी.एच. अनिल कुमार के साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के राज्य मंत्री, श्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की । इस अवसर पर मंत्री महोदय ने आजादी के 70 साल बाद सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र में खादी के उत्थान पर चर्चा की।

आयोग के अध्यक्ष ने पश्चिम क्षेत्रीय एमएसएमई कॉन्क्लेव में भाग लिया

एमएसएमई-डीआई द्वारा 19 अगस्त 2016 को महात्मा मंदिर, गाँधीनगर में एमएसएमई रीजनल कॉन्कलेव का आयोजन किया गया ।

कॉन्कलेव में गुजरात के नवनियुक्त माननीय मुख्यमंत्री श्री विजय रूमानी, माननीय मंत्री एमएसएमई, भारत सरकार, श्री कलराज मिश्र, माननीय राज्यमंत्री एमएसएमई भारत सरकार, श्री हरिभाई चौधरी, एमएसएमई के सचिव श्री के.के. जालन, एमएसएमई के संयुक्त सचिव श्री बी. एच. अनिलकुमार एवं एमएसएमई, एनएसआयसी के अन्य पदाधिकारी/वरिष्ठ अधिकारी, राजस्थान, महाराष्ट्र, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली तथा दीव-दमण राज्यों/केंद्र शासित राज्यों के संबंधित मंत्री एवं अधिकरियों ने हिस्सा लिया ।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ए.के.झा ने विशेष रूप से इस कॉन्कलेव में हिस्सा लिया।

इस अवसर पर माननीय मंत्री, एमएसएमई के निर्देश पर महात्मा मंदिर, गाँधीनगर परिसर में खादी डेमोनस्ट्रेशन स्टॉल की व्यवस्था आयोग की ओर से की गयी । स्टॉल पर आयोग के माननीय अध्यक्ष महोदय ने सभी का स्वागत किया एवं खादी ग्रामोद्योगी उत्पादों पर चर्चा की ।

एक साथ मिलकर काम करने का अवसर

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने दिनांक 11 अगस्त 2016 को सिंगापुर उच्चायोग के उच्चस्तरीय प्रतिनिधि मंडल एवं आई.टी.ई. एजुकेशन सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रतिनिधि, श्री तान सेंग हुवा से मुलाकात की तथा साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं और अवसरों पर विचार विमर्श किया। इस अवसर पर आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अरुण कुमार झा ने भी अपने सुझाव दिए।

अध्यक्ष महोदय ने बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र, पंजोखेरा का दौरा किया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने दिनांक 9 अगस्त 2016 को आयोग के चौधरी चरण सिंह बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र, पंजोखेरा, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश का दौरा कर वहां चल रहे खादी ग्रामोद्योगी गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर आयोग के मध्य अंचल के सदस्य, श्री जय प्रकाश तोमर भी उनके साथ थे।

आयोग ने लोकार्पित किया डिज़ाइनर खादी वेडिंग कलेक्शन

मणिपुर और गोवा सरकार ने कर्मचारियों से सप्ताह में एक दिन खादी पहनने की अपील की

मणिपुर सरकार ने सभी कार्यकर्ताओं और कर्मचारियों से सप्ताह में कम से कम एक दिन शुक्रवार को स्वैच्छिक रूप में खादी वस्त्र पहनने की अपील की है।

बुनकरों और कारीगरों के लिए ग्रामीण रोजगार का सृजन करने तथा समय पर उनकी आजीविका को बनाये रखने हेतु खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा निरंतर अपील की जा रही है ।

मणिपुर के उदाहरण को ध्यान में रखते हुए गोवा सरकार ने भी अपने कर्मचारियों को स्वेच्छिक रूप में प्रत्येक सप्ताह में एक बार खादी वस्त्र पहने की अपील की है जिससे अधिक से अधिक व्यक्ति खादी वस्त्र उपयोग में लाने के लिए प्रोत्साहित होंगे चूकी 'खादी लिनेन वस्त्र ' सभी मौसम में उपयोग में आया जा सकता है, एवं यह पर्यावरण अनुकूल है ।

महात्मा गांधी के मतानुसार खादी के इतिहास की जड़ें दूर- दूर तक फैली हैं तथा यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम से भी जुड़ा है और यह 'स्वावलंबन' का प्रतीक है। खादी ने स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आज भी निभा रहा है। यह ग्रामीण बुनकरों तथा कारीगरों के लिए एक वृहद क्षेत्र है । सिंथेटिक सामग्रियों के विपरीत खादी हाथ कता और बुना वस्त्र है। यह वस्त्र ग्रीष्म में शीतल तथा शीत ऋतु में गर्म होता है। मणिपुर और गोवा सरकार ने खादी की इस वास्तविकता को पहचानने की अपील की है।

मणिपुर और गोवा सरकार दोनों ही भारत के बढती हुई ग्रामीण अर्थव्यस्था से जुड़े हुए है तथा इसी प्रवास द्वारा राष्ट्र स्वालंबी और आत्मनिर्भर बनेगा। भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की योजनाओं में ग्रामों का पुनर्निर्माण और विकास करना प्रमुख मुद्दा हैं जिससे भारत के ग्रामीण अर्थ के सरंचना में द्रुत गति से प्रगति होगी।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष महोदय, श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि खादी आय में वृद्धि तथा रोजगार में सृजन करने का एक यन्त्र है और यह भारत के सम्पूर्ण वृद्धि की कहानी लिखेगा।

आदर्श ग्राम योजना
के तहत आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहन

आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा दिनांक 10 अगस्त 2016 को गॉव जलेटी-वणज जिला साबरकॉठा का चयन कर यहां पर सफाई अभियान, ग्राम सभा, मेडिकल कैम्प, वृक्षारोपण, आदि कार्य किया गया।

विदेशी प्रतिनिधि मण्डल द्वारा आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद का दौरा

राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान, नई दिल्ली के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम - रुरल इन्टरप्राइज प्लानिंग एन्ड प्रमोशन एन्ड इन्टरनेशनल मार्केटिंग एन्ड ग्लोबल कम्पेटीवनेश के अर्न्तगत 8 देशों- अफगानिस्तान, घाना, मोरिशस, नेपाल, नाइजीरिया, श्रीलंका, तजाकिस्तान एवं विएतनाम के 15 प्रतिनिधियों के एक दल ने दिनांक 1 अगस्त, 2016 को आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद का दौरा किया। आयोग के निदेशक ने प्रतिनिधि मंडल के सभी सदस्यों का स्वागत किया गया, एवं पावर प्वॉइन्ट के माध्यम से आयोग के कार्यक्रमों एवं योजनाओं को विस्तार से समझाया । इस अवसर पर राज्य कार्यालय परिसर में खादी ग्रामोद्योग उत्पाद की एक छोटी प्रदर्शनी लगायी गयी।

आयोग ने पूरे उत्साह के साथ मनाया 70वां स्वतंत्रता दिवस

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्यालय मुंबई, ग्रामोदय में 15 अगस्त 2016 को पूर्ण उत्साह के साथ 70 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया और इस अवसर पर विकास के नई पहलों की घोषणा की गई तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कार्यक्रमों और योजनाओं को शांति के साथ आगे बढ़ाते हुए विकास करने की शपथ ली गई।

आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण कुमार झा ने आयोग के प्रांगण में तिरंगा झंडा फराया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अधिकारियों ने देशभक्ति में सराबोर होकर ७०वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया ।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने भाषण में कहा की खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपने कार्यक्रमों, योजनाओं और उत्पादों के एक सुद्रढ़ स्थिति बनाई है । इस अवसर पर उन्होंने पुनः दोहराते हुए कहा कि इस क्षेत्र का मुख्य उद्देश्य आजीविका के साधन को कारीगरों, कत्तिनों, बुनकरों तथा अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना हैं । उन्होंने आगे कहा कि खादी और ग्रामोद्योग एक ऐसा सेक्टर है जो हमारे राष्ट्र को आर्थिक रूप में स्वंतत्र बना सकता है । उन्होंने यह भी कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग कारीगरों के दरवाजे पर रोजगार का सृजन करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की राष्ट्र विकास के बदलते परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका हैं और खादी और ग्रामोद्योगी उत्पाद मूल्य तथा सौन्दर्य दोनों ही शर्तों में वर्त्तमान मांग को पूरा करने में सक्षम हैं।

श्री प्रयाग, अलवानी, विले पार्ले निर्वाचन क्षेत्र के विधायक ने इस अवसर पर तिरंगी राखी और खादी के डिजाइनर वस्त्रों का शुभारम्भ किया । इस अवसर पर आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अरुण कुमार झा, मुख्य सर्तकता अधिकारी श्री मोहित जैन, आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री के. एस. राव, आयोग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी तथा आगंतुक उपस्थित थे ।

आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. एस. राव ने अपने संबोधन में कहा कि खादी भारत

सहायक निदेशक, हाथ कागज खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिकारी यूनियन के अध्यक्ष ने आयोग के विगत 60 वर्षों के इतिहास की जानकारी दी । उन्होंने यह भी बताया कि कोई भी बहुराष्ट्रीय कम्पनी इस प्रकार रोजगार सृजन के अवसर उपलब्ध नहीं करा सकती है ।

इस अवसर पर राजीव गाँधी कॉलेज के छात्रों द्वारा प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पर नुक्कड़ – नाटक का प्रदर्शन किया गया जो आकर्षण का केंद्र था, इसके अतिरिक्त खादी और ग्रामोद्योगी गतिविधियों की प्रदर्शनी जैसे मधुमक्खीपालन, कुम्भारी, और सोलर चरखा कताई इत्यादि की प्रदर्शनी लगाई गई । 15 अगस्त को 'खादी इंडिया' बिक्री केंद्र में ग्राहकों को खादी सूत की हाथ से बने गुंडी पहनाकर स्वागत किया गया । इस अवसर पर 'खादी इंडिया' बिक्री केंद्रों में खादी वस्त्रों पर 20 प्रतिशत की छूट दी गई ।

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कर्मचारियों ने खादी के वस्त्र धारण कर तथा 'आई लव खादी ' एंव हिंदी में 'मैं खादी प्रेमी हूँ' का स्टीकर भी लगाया ।

के स्वतंत्रता का वस्त्र है यह राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम से जुडा है । उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के विगत वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र अपने कार्य के माध्यम से राष्ट्र को वास्तविक रूप में श्रधांजलि अर्पित कर रहा हैं ।

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की निदेशक श्रीमती जोगलेकर ने उपस्थित सभी को अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमें आतंरिक आय सृजन पर ध्यान देने की जरुरत है । उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने ग्रामों और नगरों के नाम जन शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करने हेतु प्रस्तुत करना चाहिए जिससे रोजगार सृजन का उद्देश्य पूर्ण होगा ।

श्री एम.टी. वाकोडे, निदेशक ए.बी.एफ़.बी.आइ., ने इस अवसर पर सूचित करते हुए कहा कि यह दिन सम्पूर्ण विश्व में अंतर्राष्ट्रीय शहद मधुमक्खी दिवस के रूप में मनाया जाता है । इस अवसर पर आयोग के अन्य अधिकारियो ने भी अपने विचार व्यक्त किये । श्री चंद्रहास कैयोर,

आयोग के अध्यक्ष, नई दिल्ली स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए

राज्य कार्यालय, चण्डीगढ़

आयोग के राज्य कार्यालय, चण्डीगढ़ में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तर क्षेत्र श्री एस.पी.सिंह, इस अवसर पर क्षेत्रीय पंजाब खादी मण्डल, खरार के अध्यक्ष श्री रामनाथ, राज्य कार्यालय के उप निदेशक श्री अरविन्द कुमार, उप निदेशक श्री मांगे राम तथा अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे.

बहुउद्देश्यीय प्रशिक्षण केन्द्र, त्रिस्सूर

राज्य कार्यालय, अरुणाचल प्रदेश

आयोग के मण्डलीय कार्यालय, विशाखापट्नम में 70वां स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया.

कार्यालय परिसर में स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए कार्यालय के पदाधिकारी

आयोग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली सद्भावना शपथ

आयोग की वित्त सलाहाकार श्रीमती उषा सुरेश ने सद्भावना दिवस के अवसर पर दिनांक 20 अगस्त, 2016 को आयोग मुख्यालय में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना शपथ दिलायी, इस अवसर पर आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के.एस.राव एवं श्री वाय.के. बारामतीकर भी उपस्थित थे.

सद्भावना दिवस शपथ

मैं प्रतिज्ञा लेता हूँ कि मैं जाति, क्षेत्र, धर्म और भाषा को बिना ध्यान दिये भारत के सभी लोगों की भावनात्मक एकात्मकता और सद्भावना के लिये कार्य करूँगा। और मैं कसम खाता हूँ कि बिना हिंसा के संवैधानिक साधनों और बातचीत के द्वारा एक-दूसरे के बीच की दूरियों को अवश्य समाप्त कर दूँगा।

आयोग मुख्यालय, मुंबई में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सदभावना शपथ लेते हुए

आयोग के गांधी दर्शन, राजघाट, दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 20 अगस्त 2016 को सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना शपथ दिलायी गयी

स्वतंत्रता के अधिकार के साथ उत्तरदायित्व की भावना भी आती है

-गिरिराज सिंह

खादी न केवल एक वस्त्र है अपितु गरीब के घर का दीपक जलाये रखने का साधन भी है। खादी जो की एक समय गांधी जी की विचारधारा थी आज हमारे प्रधानमंत्री वास्तविक आर्थिक स्वतंत्रता के लिए सभी से उसी खादी के उपयोग हेतु अनुरोध कर रहे है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री गिरिराज सिंह ने 16 अगस्त 2016 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्यालय, मुंबई में एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के अधिकार के साथ उत्तरदायित्व कि भावना भी आती है।

अपने संबोधन में उन्होंने आगे बताया की एक समय पूर्वजों का परिधान कही जाने वाली खादी आज युवाओं का पसंदीदा वस्त्र है। उन्होंने इस अवसर पर युवाओं के सबसे पसंदीदा वस्त्र आधुनिक डेनिम के बारे में भी चर्चा की। इसी क्रम

में उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा भी की. उन्होंने हाल ही में प्रारंभ की गयी खादी राखी, डिज़ाइनर वस्त्र, सोलर चरखे का प्रदर्शन, अगरबत्ती और कुम्हारी उद्योग, मधुमक्खी पालन तथा हाथ कागज सम्बन्धी गतिविधियों का भी निरिक्षण किया ।

खादी कि सबसे बड़ी विशेषता उसका पारंपरिक होने के साथ उसका फैशनेबल होना भी है. पारंपरिक कुम्हारी और कत्तिन इस क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण अंग है। इस अवसर पर उन्होंने बदलते समय के साथ बदलने वाली स्वतंत्रता कि परिभाषा को भी समझाया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष, श्री विनय कुमार सक्सेना ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'खादी हमारी विरासत है, स्वाधीनता के पूर्व इसने आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और आज भी इस कार्य में अपना योगदान दे रही है. यह निर्बल और दीन को स्वावलंबी बनाने का सबसे अच्छा साधन है'।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अरुण कुमार झा ने कहा कि 'वास्तविक और आर्थिक स्वतंत्रता खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र द्वारा ही आ सकती है'। आज समय की मांग है की हम व्यापार के आदर्श प्रतिमान के रूप में उजागर हो तथा छूट और सहायता कि धारणा से

बाहर निकले।

एस अवसर पर गाँधी सिक्षा भवन कि छात्राओं द्वारा शुभा मुद्‌गल के गीत चरखा "चला-चला के लेंगे स्वराज पर" नृत्य का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने स्वंत्रता के अधिकार पर अपने विचार व्यक्त किये और खादी पहनने का संकल्प किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा दीन दयाल उपाध्याय ट्रस्ट का दौरा

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री अरुण कुमार झा ने 3 अगस्त 2016 को दीन दयाल उपाध्याय ट्रस्ट, फराह, मथुरा का दौरा किया।

उन्होंने खादी और ग्रामोद्योग आयोग के चौधरी चरण सिंह बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केंद्र, पंजोखेरा, मुज्जफरनगर द्वारा आयोजित खादी चरखा कार्याक्रम तथा रेडीमेड परिधान प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसके अंतर्गत सिलाई, कटाई सम्मलित है का भी निरक्षण किया।

आयोग के मंडलीय कार्यालय, मेरठ के निदेशक श्री एस.पी.गुप्ता तथा कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। श्री अरुण कुमार झा ने दीनदयाल उपाध्याय धाम के निदेशक श्री पदम सिंह और ट्रस्ट के सचिव श्री नवीन मित्तल के साथ भी विचार विमर्श किया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने महिला प्रशिक्षुओं के समूह को संबोधित किया एवं उन्हें आयोग की योजनाओं, कार्यक्रमों और स्व-रोजगार के बारे में सूचित किया।

आयोग मुख्यालय, मुंबई में हिन्दी कार्यशाला आयोजित

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार वर्ष 2016-17 हेतु निर्धारित लक्ष्यांकों को प्राप्त करने के क्रम में खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुख्यालय, मुंबई के ढेबर भाई सभाकक्ष में दिनांक 01 सितंबर, 2016 को दो सत्र में एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का प्रथम सत्र खादी और ग्रामोद्योग आयोग में कार्यरत कनिष्ठ कार्यकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकारियों (एफबीएए) को "हिन्दी कार्यान्वयन एवं पत्राचार" विषय पर एवं द्वितीय सत्र वरिष्ठ कार्यकारियों (प्रशासन) को "हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन" विषय पर जानकारी देने हेतु आयोजित किया गया था।

कार्यशाला के प्रथम सत्र के शुभारंभ में श्री एस.के. सिन्हा उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी/राजभाषा अधिकारी ने अतिथि व्याख्याता श्री हर्ष मोहन कृष्णात्रे को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। श्री एस.के.सिन्हा, राजभाषा अधिकारी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा कहा कि हिन्दी भारत की संपर्क भाषा है, सभी क्षेत्र के लोग इसे समझ सकते है इसीलिए सभी को हिन्दी में ही कार्य करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। केंद्रीय सरकार के प्रत्येक कर्मचारी के लिए हिन्दी सीखना एवं उसमें कार्य करना अनिवार्य है।

अतिथि वक्ता श्री हर्ष मोहन कृष्णात्रे ने सरकारी कामकाज में सरल हिन्दी के प्रयोग पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि हमें अँग्रेजी के दायरे से बाहर निकलना चाहिए। हर देश की अपनी एक भाषा होती है और वो देश तभी उन्नति कर सकेगा, जब उसके देशवासी अपनी ही मातृभाषा में काम करें। उन्होने यह भी बताया कि प्रत्येक व्यक्ति अपने विचारों की अभिव्यक्ति अपनी मातृभाषा में अच्छे से कर सकता है। उन्होने बैंक के चैक एवं रेलवे के फॉर्म भी हिन्दी में भरने पर ज़ोर दिया। उन्होने कर्मचारियों को कार्यालय में हिन्दी में कार्य करने को प्रोत्साहित किया। कर्मचारियों द्वारा पूछे गए सवालों का भी उन्होने बहुत ही सरलता से उत्तर दिया। हिन्दी कार्यशाला में उपस्थित सभी कर्मचारियों ने हिन्दी कार्यशाला को बहुत उपयोगी बताया।

द्वितीय सत्र में, श्री कृष्ण पाल, सहायक निदेशक/प्रभारी (हिन्दी विभाग) ने अतिथि वक्ता श्री हर्षमोहन कृष्णात्रे का परिचय उपस्थित कर्मचारियों से कराया एवं उनका स्वागत किया। द्वितीय सत्र का विषय "हिन्दी टिप्पण एवं आलेखन" था। इस सत्र में आयोग में विभिन्न निदेशालयों में कार्यरत वरिष्ठ कार्यकारियों (प्रशासन) ने भाग लिया। सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने कार्यशाला का भरपूर लाभ उठाया। प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अतिथि वक्ता ने बहुत ही सरल एवं सुंदर उत्तर दिये। अंत में श्री कृष्ण पाल, सहायक निदेशक/प्रभारी (हिन्दी बिभाग) ने अतिथि वक्ता एवं उपस्थित कर्मचारियों का धन्यवाद देकर आभार प्रकट किया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की 635वीं बैठक के मुख्यांश

श्री विनय कुमार सक्सेना, अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में दिनांक २७ जुलाई, २०१६ को नंदी हिल, बेंगलुरु में आयोग की ६३५वीं बैठक आयोजित की गयी। उक्त बैठक में आयोग के सभी सदस्य श्री जय प्रकाश तोमर, आंचलिक सदस्य (मध्य क्षेत्र), श्री जी.चंद्रमौलि, आंचलिक सदस्य (दक्षिणी क्षेत्र), डॉ. संगीता कुमारी, आंचलिक सदस्य (पूर्वी क्षेत्र) श्री नारायण सी.बोरकाटकी आंचलिक सदस्य (पूर्वोत्तर क्षेत्र) श्री अशोक भगत विशेषज्ञ सदस्य (अनुसंधान एवं विकास) के साथ-साथ श्री मधुसूदन रेड्डी, उप-महाप्रबंधक, एसबीआई श्री बी.एन.नंदा आर्थिक सलाहकार (एमएसएमई), श्री अरुण कुमार झा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, खा.ग्रा.आयोग, श्रीमती ऊषा सुरेश, वित्तीय सलाहकार, खा.ग्रा.आयोग, श्री मोहित जैन मुख्य सतर्कता अधिकारी, खा.ग्रा.आयोग उपस्थित थे।

आयोग की बैठक में सर्वप्रथम पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम आजाद की प्रथम पुण्य तिथि पर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की।

1. सभी खादी संस्थाओं को जानकारी देने हेतु संस्थाओं के लिए ''आंचलिक स्तरीय संवेदनशील कार्यशालाओं'' का आयोजन किया जाना चाहिए।

2. आयोग ने संयुक्त सचिव (एमएसएमई) के पत्र में उल्लिखित शर्तों के आधार पर गैर-पूर्वोत्तर क्षेत्र के गैर-सरकारी संगठनों एवं ग्रामोद्योगी संगठनों हेतु रु.1000/- से रु.10000/- तक ''सूचीबद्ध शुल्क'' और पूर्वोत्तर क्षेत्र में पंजीकरण करवाने वाली इकाईयों हेतु रु.2000/- ''सूचीबद्ध शुल्क'' बढ़ाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया। आयोग से पंजीकरण करवाने वाली संस्थाओं को वैट, बिक्री कर, आयकर आदि के अंतर्गत वित्तीय लाभ संबंधी छूट/रियायत दी जाती हैं।

3. आयोग ने आयोग से पंजीकृत सभी ग्रामोद्योगी इकाईयों को यह सूचित करने का निर्णय लिया है कि वे ग्रामोद्योगी उत्पादों के उत्पादन हेतु संस्था को प्राप्त कोई भी प्रमाणपत्र/लाईसेंस (बीआईएस, एफपीओ, एग- मार्क, ड्रग लाईसेंस, आयुष लाईसेंस अथवा अन्य कोई लाईसेंस) संबंधी विवरण 30 दिनों के भीतर प्रदान करें। आयोग ने यह भी निर्णय लिया कि यदि ग्रामोद्योगी विनिर्माता इकाई ने ट्रेड हेतु निर्धारित अनिवार्य लाईसेंस नहीं प्राप्त किया है, तो उन इकाईयों की मान्यता अविलंब रद्द की जाएगी और उत्पाद लेबल पर ''आयोग से मान्यताप्राप्त'' लिखने से वंचित किया जाएगा।

4. आयोग के मानदंडों एवं दिशानिर्देशों का अनुपालन न करने वाली संस्थाओं को 30 दिनों के भीतर कानूनी कार्रवाई सहित आयोग से उनकी मान्यता/पंजीकरण रद्द करने सहित कानूनी कार्रवाई करने संबंधी 'चेतावनी पत्र' जारी किया जाएगा।

5. ''खादी इंडिया लोगो'' का अनधिकृत उपयोग करने वाली पीएमईजीपी इकाईयों/संस्थाओं को कानूनी कार्रवाई सहित आयोग से उनकी मान्यता/पंजीकरण रद्द करने संबंधी 'चेतावनी पत्र' जारी किया जाएगा। आयोग ने यह निर्णय लिया कि सभी प्रमुख हिंदी एवं अंग्रेजी अखबारों में यह विज्ञापन दिया जाए कि आयोग के अनुमोदन के बिना ''खादी इंडिया लोगो'' का अनधिकृत प्रयोग करने वाली संस्थाओं के विरुद्ध 30 दिनों के भीतर कानूनी कार्रवाई सहित आयोग से उनकी मान्यता/पंजीकरण रद्द किया जाएगा।

6. ग्रामोद्योगी संस्थाओं हेतु पुनरुद्धार/सशक्तिकरण योजना के अनुमोदन संबंधी ग्रामोद्योग समन्वय निदेशालय के प्रस्ताव के संबंध में आयोग ने यह निर्णय लिया कि सभी बंद ग्रामोद्योगी इकाईयों के व्यापक पुनरुद्धार की बजाय, क्योंकि इसमें काफी मात्रा में राशि की आवश्यकता होगी, सर्वप्रथम खादी और ग्रामोद्योगी दोनों गतिविधियां चलाने वाली संस्थाओं की ग्रामोद्योगी इकाइयों के खराब प्रदर्शन/बंद होने के कारण संबंधी अध्ययन के उद्देश्य से उन्हें अलग करते हुए उन इकाईयों का नया शक्यता अध्ययन कराया जाना चाहिए तथा इसके बाद इन इकाईयों के पुनरुद्धार हेतु सहायता पर निर्णय लिया जाना चाहिए।

आयोग ने ''विशेष परियोजना'' के रूप में सभी 83 संस्थाओं, जिनके विरुद्ध 19-बी की कार्रवाई की गयी है, के बारे में संरचनागत कमी, चलनिधि समस्या के अध्ययन सहित शक्यता

अध्ययन पर विचार करने हेतु सिफ़ारिश भी की है।

7. आयोग ने ''उद्यमिता मोड'' के तहत खादी कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु सैद्धांतिक प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान किया, जिसके तहत देश भर में खादी गतिविधियों को सुदृढ़ बनाने के लिए खादी कार्यक्रम चलाने हेतु व्यक्तियों एवं उद्यमियों को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाएगा।

8. यह सुझाव है कि आयोग को समयबद्ध ढंग से खादी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए ऑनलाइन प्रणाली तैयार करनी चाहिए, ताकि उद्यमी खादी इकाई स्थापित करने के लिए सक्षम हो सकें। जबकि पीएमईजीपी के तहत ऐसे उद्यमों की सहायता संभव हो सकती है, लेकिन ऐसे उद्यमों को आईसेक देना संभव नहीं होगा, क्योंकि ऐसे उद्यम वित्तीय संस्थाओं से व्यापारिक ऋण दर पर कार्यशील पूंजी का लाभ लेकर व्यापारिक व्यवहार्य इकाई के रूप में कार्य करते हैं।

9. आयोग ने अध्यक्ष महोदय के इस सुझाव पर सहमति व्यक्त की कि बेहतर कार्यनिष्पादन करने वाली संस्थाओं को दूसरे राज्य में भी उनकी गतिविधियां बढ़ाने हेतु अवसर दिया जाए। इससे संस्थाओं में प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा एवं एकाधिकार समाप्त होगा तथा कत्तीनों, बुनकरों और हितधारकों हेतु प्रतिस्पर्धात्मक मजदूरी शुरू होगी और इस प्रतिस्पर्धा से बाजार में नवोन्मेषी खादी उत्पादों में बेहतर गुणवत्ता आएगी।

10. आयोग ने यह निर्णय लिया कि जब भी संविदा आधार पर परामर्शदाता के रूप में आयोग के किसी पदाधिकारी को नियुक्त किया जाए, तो सभी सेवानिवृत पदाधिकारियों से आवेदन मँगवा कर इसमें पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनायी जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, इस संबंध में यह भी निर्णय लिया गया कि पीएमईजीपी एवं अन्य कार्यक्रमों हेतु संविदा आधार पर उपयुक्त व्यक्ति को नियुक्त करने हेतु सार्वजनिक विज्ञापन के माध्यम से आवेदन मंगवाएँ जाए।

11. आयोग ने विभागीय बिक्री भंडारों हेतु इंटर्नशिप बिक्री प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना'' शुरू करने हेतु विपणन निदेशालय के प्रस्ताव पर चर्चा की और इसे सैद्धांतिक प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान किया। आयोग ने केंद्रीय पूनी संयंत्रों के लिए भी ''प्रशिक्षु कार्यक्रम'' शुरू करने का निर्णय लिया।

12. अध्यक्ष महोदय ने यह भी निर्णय लिया है कि कत्तीनों की मजदूरी प्रति गुंडी रु.4.00 से बढ़ा कर रु.5.50 की जाए, जो दिनांक 01.04.2014 से नहीं बढ़ायी गयी है। उक्त वृद्धि दिनांक 01.04.2016 से लागू होगी। इसके अतिरिक्त, आयोग ने कारीगरों की आय बढ़ाने के संबंध में चर्चा की और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उच्च मूल्य के कुछ उत्पादों पर कर लगाया जाना चाहिए। इस संबंध में आयोग ने निम्नानुसार निर्णय लिया :

''जिस सीमा तक यह संभव हो सके एवं बाजार में स्वीकार्य हो, आयोग के विभागीय बिक्री केन्द्रों पर बेचे जाने वाले उच्च मूल्य के कुछ उत्पादों जैसे कि मसलिन, रेशम एवं पश्मिना आदि की बिक्री मूल्य में बढ़ोतरी की जाएगी और इस प्रकार से बढ़ी राशि के कारण एकत्र राशि डीएसओ द्वारा मासिक आधार पर संबंधित संस्थाओं के कारीगरों के खातों में सीधी भेजी जाएगी।''

13. आयोग ने व्यक्तिगत/संस्थाओं/संगठनों द्वारा सार्वजनिक सहभागिता/दान के माध्यम से ''चरखा बैंक'' बनाने हेतु खादी निदेशालय के प्रस्ताव पर चर्चा, प्रशंसा और सैद्धांतिक प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान किया। इससे आयोग में लगभग 10,000 एनएमसी चरखों का एक पूल बन जाएगा तथा उन्हें चिन्हित जरूरतमंदों एवं प्रशिक्षित व्यक्तिगत कतीनों और परिवारों के घर पर अथवा संस्था के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। इससे उन्हें प्रति दिन लगभग रु.100/- से रु.125/- अर्जित करने का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें सम्मानजनक जीवनयापन करने में सहायता मिलेगी।

14. भारत सरकार के पीएफएमएस प्रणाली (सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली) के माध्यम से केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं हेतु निधि अंतरण के संबंध में, आयोग ने आर्थिक सलाहकार (एमएसएमई) के इस अवलोकन को नोट किया कि भारत सरकार से एक ऐसा आदेश प्राप्त हुआ है, जिसकी मॉनिटरिंग भारत के प्रधानमंत्री स्वयं कर रहे हैं, जिसमें यह उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार के सभी मंत्रालय भविष्य में अनुदान लेने वाले संस्थान अर्थात खादी और ग्रामोद्योग आयोग को केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं की सभी निधियाँ भारत सरकार के

प्रत्येक मंत्रालय से मान्यताप्राप्त बैंक (इस मामले में भारतीय स्टेट बैंक) के माध्यम से पीएफएमएस प्रणाली (सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली) के माध्यम से भेजी जाएगी। आयोग डीबीटी (प्रत्यक्ष बैंक अंतरण) हेतु 31 मार्च 2017 तक पीएफएमएस पर पंजीकृत कर लाभार्थियों को निधि अंतरण करना सुनिश्चित करेगा। ऐसे मामले में निधियां आयोग को प्राप्त नहीं होगी और निधियों के डीबीटी प्रणाली के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के खाते में अंतरित होने की पूरी संभावना है।

15. आयोग ने अध्यक्ष महोदय के इस अवलोकन को नोट किया कि आयोग की 634वीं बैठक में ऑनलाइन पीएमईजीपी प्रणाली के परिचालन संबंधी मामले पर चर्चा करते समय आयोग ने यह स्पष्ट किया था कि आयोग ने वित्तीय बैंक शाखाओं में सीधे तौर पर मार्जिन मनी अंतरण करने हेतु एक ही बैंक का चयन करने का विरोध किया था।

16. आयोग ने पीएमईजीपी योजना के ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली के शुरु होने की भी प्रशंसा की।

17. आयोग ने अध्यक्ष महोदय के इस अवलोकन को नोट किया कि रु.100 करोड़ वित्तीय सहायता हेतु अत्यंत नवोन्मेषी एवं चुनौतीपूर्ण प्रस्ताव सरकार को प्रस्तुत किया जा रहा है। इस योजना में रु.13851/- प्रति व्यक्ति विनिवेश से चार माह के भीतर 41,662/- खादी कारीगरों को रोजगार मिलेगा और इस योजना से खादी उत्पादों की बाजार संबंधी मांग को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। उपरोक्त खादी कारीगरों के रोजगार के अतिरिक्त, इस योजना के अंतर्गत उपकरणों के निर्माण हेतु एक बार में 788 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया जाएगा।

18. आयोग ने यह भी नोट किया कि ''क'' श्रेणी की 500 खादी संस्थाओं से निधि की शत-प्रतिशत वसूली शुरू की जाएगी, जिससे योजना को कार्यान्वित किया जाएगा, जिसमें बिक्री पर एमडीए राशि प्रति इकाई रु.6,00,000 होगी और कारीगरों को एमडीए देने के बाद संस्था से 05 वर्ष में 10 प्रतिशत ब्याज सहित रु.4,50,000 एमडीए राशि वसूल की जाएगी और इस प्रकार योजना में किसी प्रकार की निधि की हानि नहीं होगी।

19. आयोग ने विशेषज्ञ सदस्य (अनुसंधान एवं विकास) के इस सुझाव पर सहमति व्यक्त की कि ऐसे विशिष्ट गांवों की पहचान की जाए, जहां प्रत्येक परिवार को कताई कार्य हेतु चरखा प्रदान किया जाए। इससे न केवल खादी उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, अपितु कतीनों की एक नई पीढ़ी भी तैयार होगी। इस योजना को क्लस्टर अप्रोच के तहत कार्यान्वित किया जा सकता है।

20. अध्यक्ष महोदय ने आयोग बैठक में खादी मॉडल गाँव/खादी स्मार्ट गाँव की स्थापना हेतु अभिसरण (कन्वर्जेंस) कार्यक्रम की अवधारणा के संबंध में मंत्रालय के साथ हुई चर्चा की जानकारी प्रदान की और बताया कि परियोजना को स्मार्ट खादी गाँव अथवा स्मार्ट गाँव आदि नाम देने का निर्णय विचाराधीन है।

21. आयोग ने सदस्य (मध्य क्षेत्र) के इस अवलोकन को नोट किया कि ऐसे उत्कृष्ट प्रस्तावों को, जिनमें सरकार से अतिरिक्त बजटीय सहायता की आवश्यकता नहीं है, देश के दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले गरीब लाभार्थियों के हित में प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, क्योंकि इसमें अनेक परिवार पहले से ही 80 प्रतिशत खादी और ग्रामोद्योगी गतिविधियों से जुड़े है तथा खादी और ग्रामोद्योग आयोग को उपलब्ध संसाधनों से विकसित किये जाने वाले शत-प्रतिशत खादी और ग्रामोद्योगी परियोजना संबंधी अवधारणा की कल्पना हेतु गांवों की वर्तमान प्रमुख गतिविधियों के साथ शेष 20 प्रतिशत गतिविधियों को जोड़ने के लिए स्थानीय मशीनरी जैसे कि ग्राम पंचायत, विधायक, सांसद, गैर-सरकारी संगठनों को शामिल करने का प्रयास करना है, जिसे ''आदर्श गाँव'' आदि नाम दिया जा सकता है।

22. विशेषज्ञ सदस्य (अनुसंधान एवं विकास) ने ''सुराजी गाँव (सुंदर गाँव)'' अथवा ''ग्राम सुराजी'' नाम का प्रस्ताव दिया है, जिसे ''स्मार्ट खादी गाँव'' हेतु अपनाया जा सकता है। उन्होने यह भी प्रस्ताव दिया है कि देश भर के संबंधित गांवों में खादी गतिविधियों संबंधी सभी मुद्दों के समाधान हेतु ''खादी के लिए सिंगल विंडो प्रणाली'' वाली ग्राम पंचायतों से संबंध स्थापित किया जाए। आयोग विशेषज्ञ सदस्य के इस सुझाव से सहमत था कि ''गांधीवादी विचारधारा'' वाले ''खादी मॉडल गाँव/सुराजी गाँव' की सभी समस्याओं एवं कार्यप्रणाली संबंधी

विस्तृत नोट आयोग की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाए।

23. आयोग ने सदस्य (मध्य क्षेत्र) के इस प्रस्ताव की प्रशंसा की कि आयोग के प्रत्येक कर्मचारी सहित प्रत्येक सदस्य को आयोग की कारीगर केन्द्रित विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु अपने गृह निवास गाँव को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे इन गांवों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति लंबे समय तक सशक्त होगी और इस प्रकार वे ऐसी नवोन्मेषी परियोजनाओं के अनुकरण से देश भर में अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत कर ''राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया'' में सहभागी बनेंगे।

24. आयोग ने अध्यक्ष महोदय के इस अवलोकन को भी नोट किया कि ऐसे सैकड़ों गाँव हैं, जहां की शत-प्रतिशत आबादी जन्मजात (परंपरागत) कत्तीनों एवं बुनकरों की है, लेकिन उनके पास आधुनिक चरखों एवं करघों की कमी है। आयोग को ऐसे गांवों की पहचान कर उन्हें अपनाना चाहिए और उन्हें चरखा बैंक आदि जैसे संसाधनों से अपेक्षित आधारभूत संरचना प्रदान करनी चाहिए तथा उन्हें ''सुराजी गाँव'' के ''खादी आदर्श गाँव'' के तहत शामिल करना चाहिए।

25. आयोग ने सदस्य (मध्य क्षेत्र) की इस चिंता पर भी ध्यान दिया कि उत्तर प्रदेश राज्य में पीएमईजीपी प्रस्ताव एससी/एसटी बैकलॉग कोटा भरने हेतु केवल एससी/एसटी श्रेणी के प्रस्तावों तक ही सीमित हैं। आयोग ने पीएमईजीपी का लाभ उत्तर प्रदेश में समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने हेतु उक्त मामले को एमएसएमई मंत्रालय से चर्चा करने हेतु सहमति अपनी प्रदान की।

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां.......

खादी अब सिर्फ नेशन के लिए ही नहीं बल्कि फैशन के लिए भी

---

4 अगस्त, 2016 ▸ रविवार **राजस्थान तीन**

न्यूज इन ब्रीफ

खादी ने लॉन्च किए नए स्टीकर

जयपुर,(कासं): राजस्थान खादी और ग्रामोद्योग आयोग की ओर से शनिवार को एमआई रोड और जौहरी बाजार स्थित खादी इंडिया भंडार पर तीन रंगों के नवीन स्टीकर लॉन्च किए गए। इस मौके पर राजस्थान खादी संघ चौमूं के अध्यक्ष लक्ष्मीचंद भंडारी एवं आयोग के पूर्व सदस्य रामदास शर्मा और आयोग के निदेशक बलधारी सिंह उपस्थित रहे। आजादी के वर्षगांठ पर 9 अगस्त से पखवाड़ा दिवस मनाया जा रहा है।

शाहरुख और आमिर के साथ

डायरेक्टर ने किया मना लेकिन फिर भी किस कर बैठे टाइगर और जैकलीन

Exclusive khadi collection launched at CP outlet

NEW DELHI: Khadi and Village Industries Commission (KVIC) launched exclusive Khadi collection of Men's and Women's wear on Sunday in its showroom designed by fashion icon Ritu Beri at Khadi India outlet at Regal Building Connaught Place in New Delhi.

Kalraj Mishra, Minister, MSME inaugurated the collection by lighting the traditional lamp and cutting the ribbon. Speaking on the occasion Mishra said that Khadi is now for each and every one. He said Khadi sales growth has increased three folds and added that Prime Minister Narendra Modi is the Brand Ambassador of Khadi. Haribhai Parthibhai Chaudhary, Minister of State said Prime Minister always promotes Khadi even on his every foreign tours. Speaking on this occasion Ritu Beri said that she started her profession 25 years back by designing Khadi cloths.

Kalraj Mishra (C), Meenakshi Lekhi (L) and KVIC officials during inauguration of Khadi collection

Vinai Kumar Saxena, Chairman KVIC, said, "Khadi which has always created history is again creating history by introducing internationally acclaimed fashion designer Ritu Beri who is now designing trending designs in Khadi." Arun Kumar Jha, Chief Executive officer KVIC welcome the dignitaries on the occasion told about KVIC programme.

The collection consists of Indo-western silhouettes and reflects the Indian charm with a modern flavour.

MPOST

पंजाब केसरी punjabkesari.com fb.me/pkdonline | 8 अगस्त, 2016 ▸ सोमवार | स्थानीय 3

प्रिय ग्राहक, समझदारी से काम लो, उड़द और अरहर का उचित दाम दो.
Safal और एन सी सी एफ के मोबाइल वैन

खादी से बदलेगा फैशन का ट्रेंड

खादी के डिजाइन से शुरू किया था करियर : रितु बेरी

दिल्ली भाजपा का पूर्वांचल युवा सम्मेलन

KVIC launches Ritu Beri's exclusive Khadi collection

PNS ■ NEW DELHI

Khadi and Village Industries Commission (KVIC) on Sunday launched an exclusive collection of Men's and Women's wear designed by fashion icon Ritu Beri at its showroom Connaught Place here on Sunday.

Union Minister of MSME Kalraj Mishra inaugurated the Exclusive Khadi Collection by lighting the traditional lamp and cutting the ribbon.

Speaking on the occasion, Mishra said that Khadi sales growth has increased three folds and added that Prime Minister Narendra Modi is the Brand Ambassador of Khadi.

Minister of State of MSME, Haribhai Parthibhai Chaudhary said Prime Minister promoted Khadi even on his every foreign tours.

Speaking on this occasion Ritu Beri said that she started her profession 25 years back by designing Khadi cloths.

Union Minister of MSME Kalraj Mishra inaugurates Ritu Beri Khadi Collection by cutting the ribbon. Minister of State for MSME Haribhai Prathibhai Chaudhary and Chairman Vinai Kumar Saxena are also seen. Pioneer photo

Chairman KVIC Vinai Kumar Saxena said that Khadi which has always created history is again creating history by introducing internationally acclaimed fashion designer Ritu Beri.

The collection consists of Indo-western silhouettes and reflect the Indian charm with a modern flavour.

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां.......

...title
...e For

WHERE: India International Centre
TIMINGS: 6:30 PM onwards

A MODERN TWIST TO INDIAN CHARM

Kalraj Mishra, Union Minister, MSME inaugurated the exclusive Khadi collection of men's and women's wear designed by fashion icon Ritu Beri at Khadi India outlet, New Delhi on Sunday. PIC/NAVEEN SHARMA

खादी ने लॉन्च की परिधानों की नई रेंज

...व न्यूज ▪ नई दिल्ली

...दी और ग्रामोद्योग आयोग ...व्वीआईसी) ने रीगल बिल्डिंग ...हॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया ...उटलेट में रितु बेरी द्वारा पुरुषों और ...हलाओं के लिए डिजाइन किए गए ...धान को केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र ...लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने ...न काटकर व दीपक जला कर ...ष खादी संग्रह का उद्घाटन किया ...। इस मौके पर सभी को ...बोधित करते हुए कलराज मिश्र ...कहा कि खादी सभी के लिए है। ...ले कुछ वर्षों में खादी की बिक्री

तीन गुना तक बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खादी के ब्रांड एम्बेसडर हैं। इस मौके पर राज्य मंत्री हरिभाई चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री विदेशी दौरों पर खादी को बढ़ावा देते हैं। जबकि, इस अवसर पर रितु बेरी ने कहा कि 25 साल पहले खादी से बने कपड़ों का डिजाइन कर अपने पेशे को शुरू किया था। वहीं, केवीआईसी अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि खादी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना इतिहास बना रही है। उन्होंने कहा कि बेरी ने अपने प्रयास से खादी को अंतरराष्ट्रीय लुक देने का प्रयास किया है। यहां इंडो-वेस्टन के अलावा विभिन्न भारतीय परिधानों को भी दिखाया है।

11 Akhbar-e-Mashriq Delhi
Monday 8th August2016 Zeeqada 4 | 1437 A.H.

مرکزی وزیر کلراج مشرا نے کھادی کے ریتو بیری کلیکشن کا افتتاح کیا

نئی دہلی 7 اگست، (منوج ٹنڈن) کھادی اور ولیج انڈسٹریز کمیشن (کے وی آئی سی) نے اپنے ریگل بلڈنگ کناٹ پلیس واقع کھادی انڈیا شوروم میں آج فیشن ڈیزائنر ریتو بیری کے ڈیزائن کیے گئے خاص کھادی کلیکشن کا افتتاح مرکز وزیر کلراج مشرا اور مرکزی وزیر مملکت ہری بھائی پارتھی بھائی چودھری نے کیا اس موقع پر فیشن ڈیزائنر ریتو بیری کے علاوہ کے وی آئی سی کے سی ای او ارون کمار جھا اور کے وی آئی سی صدر ونے کمار سکسینا اور نئی دہلی کی ایم پی میناکشی لیکھی بھی موجود تھیں، اس موقع پر بولتے ہوئے مرکزی وزیر کل راج مشرا نے کہا کہ کھادی پہننے کا جو ایک رواج چل رہا ہے وہ پہلے لیڈروں کا رہا ہے، جو بھی لیڈر پہننا چاہتا ہے پارٹی سے ٹکٹ لینا چاہتا ہے، وہ پہلے جا کر کھادی کا کرتا پائجامہ خرید کر پہنتا ہے، تب عوام کے سامنے آتا ہے، لوگ یہ محسوس کرتے تھے کہ لیڈروں کی دلچسپی کھادی میں ہے، اور لیڈر کھادی پہنتے ہیں، کھادی پہننے سے صدارت کرنی آئے گی یا پھر الیکشن لڑلیں گے، وہ لوگ ایسا سوچتے تھے، کھادی زیرو ایفکٹر و یروڈفیکٹ کپڑے ہیں۔

مرکزی وزیر کلراج مشر کھادی انڈیا شوروم میں فیشن ڈیزائنر ریتو بیری کے خاص کھادی کلکشن کے افتتاحی موقع پر کھادی کی خاصیت بیان کرتے ہوئے۔

अब युवाओं को खादी के डिजाइनर कपड़े लुभाएंगे

नई दिल्ली | कार्यालय संवाददाता

फैशन

- फैशन डिजाइनर रितु बेरी ने खादी का अपना कलेक्शन लांच किया
- खादी सिर्फ नेताओं का वस्त्र नही बल्कि हमारी संस्कृति का प्रतीक

स्वदेशी और स्वतंत्रता के संघर्ष का प्रतीक खादी अब युवाओं को लुभाएगा। खादी के क्षेत्र में बड़े फैशन डिजाइनरों के कदम रखने से अब खादी में भी डिजाइनर कपड़े मिलेंगे। रविवार को खादी इंडिया में लोकप्रिय फैशन डिजाइनर रितु बेरी का महिलाओं और पुरुषों के लिए बनाया गया खादी का कलेक्शन लांच किया गया।

कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय मंत्री कलराज मिश्र पहुंचे। मिश्र ने कहा कि खादी सिर्फ नेताओं का वस्त्र नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब गांव का लड़का मोटरसाइकिल रख सकता है तो खादी भी खरीदकर पहन सकता है।

वहीं, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन विनय सक्सेना ने बताया कि खादी पर्यावरण मित्र है। एक मीटर खादी बनाने में 3 लीटर पानी लगता है, जबकि अन्य धागों में 56 लीटर लगता है।

नई दिल्ली में कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया पर मशहूर फैशन डिजाइनर रितु बेरी के आउटलेट का उदघाटन करते माननीय सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, डिजाइनर रितु बेरी, मध्यम एवं लघु उद्योग मंत्री श्री कालराज मिश्र, राज्य मंत्री श्री हरिभाई चौधरी एवं खादी ग्राम उद्योग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सैना।

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां

खादी की ड्रेस : नई दिल्ली में सोमवार को भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी मशहूर फैशन डिजाइनर रितु बेरी द्वारा डिजाइन की गई खादी की ड्रेस पहनकर संसद भवन पहुंची। लेखी ने कहा कि युवाओं की पसंद के अनुसार खादी को डिजाइन करने की जरूरत है। खादी केवल नेताओं के कपड़े तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि युवाओं के फैशन के अनुरूप तैयार हो। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआइसी) ने रविवार को रितु बेरी के खादी संग्रह को लांच किया गया था। प्रेट्र

Khadi and Village Industries Commission launches Ritu Beri designed outfit

New Delhi: Khadi and Village Industries Commission (KVIC) has today launched exclusive Khadi collection of Men's and Women's wear in its showroom designed by fashion icon Ritu Beri at KHADI INDIA Outlet, Regal Building Connaught Place, New Delhi. Shri Kalraj Mishra, Hon'ble Union Minister, MSME inaugurated the Exclusive Khadi Collection by lighting the traditional lamp and cutting the ribbon. Speaking on the occasion Shri Mishra said that Khadi is now for each and every one. He said Khadi sales growth has increased three folds and added that Prime Minister Shri Narendra Modi is the Brand Ambassador of Khadi.

Shri Haribhai Parthibhai Chaudhary, Hon'ble Minister of State said Prime Minister always promotes Khadi even on his every foreign tour. Speaking on this occasion Ritu Beri said that she started her profession 25 years back by designing Khadi cloths.

Shri Vinai Kumar Saxena , Chairman KVIC, said " that Khadi which has always created history is again creating history by introducing internationally acclaimed fashion designer Ritu Beri who is now designing trending designs in Khadi. ". Shri Arun Kumar Jha, Chief Executive officer KVIC welcome the dignitaries on the occasion told about KVIC programme. The collection consists of Indo-western silhouettes and reflects the Indian charm with a modern flavour. Beri tried to give Khadi a global image, to adopt it to different forms of creativity, instead of restricting it to the image of yester years. The silhouettes are a mix of our rich tradition with a contemporary look- the clothes are easy to wear yet glamorous.

Published Simultaneously from Delhi, Lucknow & Mumbai
سیاسی تقدیر
SIYASI TAQDEER
New Delhi, Monday 8 August 2016
RNI NO.DELURD/2009/30972, VOL. 07, ISSUE NO. 166

نئی دہلی: کھادی اینڈ ویلیج انڈسٹریز کمیشن نے آج عورتوں اور مردوں کے پہناوے کے لیے کھادی کے خاص قسم کے کپڑوں کو لانچ کیا
اس موقع پر مرکزی وزیر کلراج مشرا نے فیتہ کاٹ کر پروگرام کا افتتاح کیا

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां

विराट वैभव
नई दिल्ली, शुक्रवार, 29 जुलाई 2016

दिल्ली वैभव

खादी } नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को सांसदों की सहूलियत को देखते हुए खादी ग्रामउद्योग भवन ने संसद परिसर में अपना आउटलेट खोला, खादी को उम्मीद है कि इससे उसकी बिक्री में भारी इजाफा होगा। **छाया: वैभव**

नई दिल्ली स्थित संसद भवन के गलियारे में खादी बिक्री केंद्र का उद्घाटन करते हुए मध्यम, लघु व सुक्ष्म उद्योग मंत्री कलराज मिश्रा।

Employment News
AZADI 70 SAAL.....YAAD KARO QURBANI
XLI NO. 19 PAGES 40
NEW DELHI 6 - 12 AUGUST 2016
WEEKLY
₹ 12.00

Inside
ENRICH YOUR LIFE SKILLS & CAREER by Dr. Jitendra Nagpal Page 35
THE QUIT INDIA MOVEMENT Page 38
EDUCATION THROUGH DISTANCE LEARNING by Usha Albuquerque & Nidhi Prasad Page 37
ONE STOP SHOP IS THE KEY TO ENTREPRENEURSHIP: ADITI Success Stories-7 Page 36
NEWS DIGEST Page 39

KHADI: FROM FREEDOM FABRIC TO FASHION FABRIC

Pratibha Mishra

'Khadi' means cloth that is hand-spun and hand-woven. Mahatma Gandhi resuscitated Khadi as a symbol of nationalism, self-reliance and equality. In 1918, when he first started the Khadi Movement, Gandhiji had envisioned the handwoven fabric as a means of income for poverty-stricken masses, but around 1934-35, he started advocating the use of Khadi for oneself - as a part of his 'Swadeshi' (using domestic products) and 'Swaraj' (using self-governance) movements. The spinning wheel which used to be a symbol of poverty and backwardness rose to symbolize self-sustenance and non-violence, and went on to play a special role in the Freedom Movement of India.

When we promote Khadi, we address the social problems of India at several levels. As villagers spin Khadi for their own use, they can plant and harvest their own raw-material to produce the yarn, spinning wheel can be made easily too with little capital or outlay, and every man and woman of the village learns to spin and weave.

Gandhiji was a visionary. He had realised the power of Khadi and how it can be used to bring about the political, economic, social and cultural change in the country.

Khadi as an Occupation for Villagers

Agriculture largely depends on the seasons. During the dry spell which stretches for about four months, most farmers sit idle and do not have enough work to earn their living. Spinning is a good as it is easy to learn, readily-available occupation, requiring very little capital or outlay.

During the freedom movement, Gandhiji noticed that all raw materials exported from India to England, and were being imported as expensive finished cloth. The local pop-

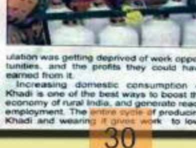

ulation was getting deprived of work opportunities, and the profits they could have earned from it.

Increasing domestic consumption of Khadi is one of the best ways to boost the economy of rural India, and generate ready employment. The entire cycle of producing Khadi and wearing it gives work to low-skilled people. Farmers get money by producing and selling cotton. Then, those who spin, weave, and dye fabrics and at the tail end are tailors who cut and sew clothes from the fabric.

Establishing the Dignity of Manual Labour

Indian society has always looked down upon manual labour. Gandhiji asked every person to spin for at least an hour every day, as his or her duty towards the country and the poor. He tried to establish it as a way of life for the Indian people.

In the Mahatma's own words, recorded in the Young India dated 22nd September 1927,

"If we have the 'khadi spirit' in us, we would surround ourselves with simplicity in every walk of life. The 'khadi spirit' means illimitable patience. For those who know anything about the production of khadi know how patiently the spinners and the weavers have to toil at their trade, and even so must we have patience while we are spinning 'the thread of Swaraj'. The 'khadi spirit' means also an equally illimitable faith. Even as the spinner toiling away at the yarn he spins by itself small enough, put in the aggregate, would be enough to clothe every human being in India, so must we have illimitable faith in truth and non-violence ultimately conquering every obstacle in our way.

Continued on page 35

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां

दिल्ली, गुरुवार 11 अगस्त, 2016 3

स्वतंत्रता दिवस पर खादी देगा 70 प्रतिशत की छूट

रजनी पवांर

नई दिल्ली। 15 अगस्त, 2016 को जब पूरा देश 70 वां स्वतन्त्रता दिवस मनाने जा रहा है, वहीं खादी और ग्रामोद्योगी क्षेत्र भी इस अवसर को पूरी आत्मियता और हर्षोल्लास के साथ मनाने व स्वतंत्रता दिवस को खादीमय बनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अंतर्गत विभागीय एवं गैर-विभागीय 7050 'खादी इंडिया' बिक्री केन्द्रों में स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए विविध समारोहों के मनाये जायेंगे जिन्हें त्यौहार के अनुरूप पूरी तरह से सुसज्जित किया जायेगा और 'खादी इंडिया' की ओर से जन साधारण को स्वंत्रता दिवस की शुभकामनाओं के साथ ही मुख्य द्वार पर तिरंगा प्रदर्शित किया जायेगा। बिक्री केन्द्रों के अन्दर एक कोना / शेल्फ स्वतंत्रता दिवस सम्बन्धी सामग्रियों जैसे राष्ट्र ध्वज, तिरंगा कलाई पट्टी, कमीज पर लगाये जाने वाले झंडे इत्यादि को प्रदर्शित करेगा। स्वतंत्रता दिवस की विशेष श्रृंखला के अंतर्गत तिरंगे साबुन का गिफ्ट पैक, अगरबत्ती पैक तथा स्वतंत्रता दिवस के सन्देश व चित्रण वाले तिरंगे रेडीमेड वस्त्रो के सीमित श्रखला बिक्री के लिए प्रदर्शित किये जाएंगे जिन्हें खरीदने का सौभाग्य ग्राहकों को मिलेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रीगल बिल्डिंग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली स्थित 'खादी इंडिया' बिक्री केंद्र पर खादी के वस्त्रों पर क्लियरेंस सेल के अंतर्गत 70% तक छूट दी जाएगी। खादी इंडिया बिक्री केन्द्रों की बाहरी दीवारों पर एक डिस्प्ले बोर्ड लगाया जाएगा जो 15 अगस्त के उत्सव को दर्शाएगा। वहीं पर प्रमुख रूप से खादी राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन और बिक्री की जाएगी। 'खादी इंडिया' बिक्री केन्द्रों पर आने वाले सभी ग्राहकों का स्वागत हाथ से काते गए खादी सूत की माला (गुंडी) से किया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस पर खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों की खरीदी करने वाले ग्राहकों को तिरंगा कानि:शुल्क उपहार दिया जायेगा। इस उपलक्ष्य पर तिरंगी 'खादी राखी' की भी शुरुवात की जा रही है। इसके अलावा सभी खादी और ग्रामोद्योग आयोग के कार्यालयों के प्रवेश द्वार पर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना सन्देश व नारों का प्रदर्शन किया जायेगा। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के सभी कर्मचारी खादी वस्त्र पहनेंगे तथा जिस पर "I Love Khadi" और हिंदी में 'मै खादी प्रेमी हूं' का स्टिकर लगा होगा।

28/08/2016 Corporation Bank signs MoU with KVIC – KARNATAKA – The Hindu

THE HINDU

> TODAY'S PAPER > KARNATAKA

Mangaluru, August 30, 2016

Corporation Bank signs MoU with KVIC

• Special Correspondent

The Corporation Bank and the Khadi and Village Industries Commission (KVIC) on Monday entered into a memorandum of understanding for online disbursement of Margin Money to all financing banks across India under the Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP) application process. A release here said KVIC has designated Corporation Bank as single nodal Bank to handle margin money disbursement.

The process of Margin Money disbursement has been reduced to one day from the existing period of more than one month.

Similarly, Corporation Bank has implemented notification and MIS flow for all stakeholders.

...कि उसने मरीज की जांच तो की थी लेकिन उसका ताजा एक्सरे नहीं लिया और क्लीनिकल नोट नहीं बनाये। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रमाणपत्र अर्जीकर्ता के कहने पर दिया गया जिस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। वह मुआवजे का हकदार नहीं है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग और कारपोरेशन बैंक में समझौता

मुंबई, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिका... अरुण कुमार झा ने आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना एवं आयो... के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में कारपोरेशन बैंक के प्रतिनिध व मु... महाप्रबंधक पूर्णचंद राव के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ता... किया। यह समझौता प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की आनल... प्रणाली के संचालन को साथ मिलकर करने के लिए किया गया... कारपोरेशन बैंक मार्जिन मनी सब्सिडी की राशि सीधे लाभार्थियों... उन्हें वित्त उपलब्ध कराने वाले बैंक खाते में आनलाइन संवि... हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एकमात्र अभिकरण होगा। यह समझौता... प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के कार्यान्वयन की गति में... लाने व इसमें गुणवत्ता व पारदर्शिता लाने के लिए सक्षम होगा...

IITના કોન્વોકેશનમાં ખાદીનાં વસ્ત્રોની જમાવટ

ખાદીનો વ્યાપ વધારવા માટે હાથ ધરાયેલી ઝુંબેશને પગલે આઈઆઈટી મુંબઈમાં પણ હવે કોન્વોકેશન સમયે ખાદીનો સ્કાર્ફ પહેરવાનો રહેશે. આ માટે આઈઆઈટીએ ખાદી ગ્રામોદ્યોગ કમિશનને 3500 સ્કાર્ફ બનાવવા જણાવ્યું છે. 3500માંથી ભૂરા રંગના 1500 સ્કાર્ફ એમ.ટેક્. સ્નાતકને અપાશે. 1250 લીલા રંગના હશે તે બી.ટેક્. ગ્રેજ્યુએટને અપાશે જ્યારે 350 લાલ રંગના હશે જે રિસર્ચ ડિગ્રી હોલ્ડરને અપાશે. 200 ભગવા કલરના હશે જે શિક્ષકોને અપાશે. ગુજરાત યુનિ.એ પણ 4 મહિના અગાઉ આવો જ એક ઓર્ડર ખાદી કમિશનને આપ્યો હતો. કોન્વોકેશનમાં આ રીતે ખાદીની બોલબાલા સતત વધી રહી છે.

...order to educate and sensitise people about the ill-effects of population explo- ... According to the advocate, population explosion has become the greatest ... ition if the government does not take appropriate action. ... school campuses is ... welcome move".

Railways' designer line for staff uniforms

Ritu Beri has submitted four sets, and the public can soon give their opinion online

NEW DELHI: Five lakh railway employees — front office staff, ticket examiners, guards, drivers and catering personnel — will soon don new uniforms created by fashion designer Ritu Beri woven around the theme of Indian culture.

Ms. Beri submitted four sets of uniform, each with a distinct theme, to the Railway Ministry five days ago, and the public transporter will soon launch an initiative on its website and Twitter and Facebook seeking the views of people to help it select the attire.

The new uniform will cost about Rs. 50 crore in the first phase covering five lakh of the 13 lakh staff.

Ms. Beri said the look of the uniform would be an ode to India and its exoticism. "The focus is to reflect modern India while respecting our deep-rooted tradition and culture, thus reflecting the glory of India. The uniforms will be Indo-western in cut and silhouette with comfort being the most important factor," she said.

Ms. Beri's new collection includes saris and T-shirts. The uniform is expected to be ready by the year-end, the official said.

One of the designs Ms. Beri has submitted is based on tribal art, while another is inspired by rustic coins and currency of the "golden age" of India. The third is based on the legacy of nawabs and the fourth is inspired by pop art.

The fourth option, classified as the vibrant soul of India, reflects elements of culture, business, music and entertainment.

Modern twist to khadi

"The work is in progress. For now, we have made the first presentation. We will work with khadi ... I wish to retain our traditional look but give it a modern twist in keeping with the times," Ms. Beri said. — PTI

TRENDY AND TRADITIONAL: Themes prepared by fashion designer Ritu Beri for railway uniforms. — PHOTO: PTI

...who were in service earlier were covered under the Central Service (Pension) Rules, 1972. According to a ... service on or after January 1, 2004 and are covered by the National Pension System and will take effect from the same date."

Khadi gowns at Nalanda varsity's first convocation ceremony

AMARNATH TEWARY

PATNA: The first convocation ceremony of Nalanda University will be breaking away from tradition on Saturday when not only students but also President Pranab Mukherjee, who is the chief guest, and other dignitaries attending the function, will have khadi gowns to wear instead of the traditional, heavy, velvet convocation gowns, which were originally designed to keep the cold away in Western countries. Moreover, the academic procession will also walk to the orchestral composition 'Swagatam' by legendary veena maestro and composer Emani Sankara Sastry.

President Pranab Mukherjee will confer degrees to the 12 students of the first batch and also lay the foundation stone of a part of the upcoming new campus at Rajgir on Saturday.

President Pranab Mukherjee and other dignitaries will also sport traditional wear

The president reached Patna late on Friday evening, from where he would leave for Rajgir for the convocation ceremony on Saturday morning. External Affairs Minister Sushma Swaraj too will be present on the occasion.

Students will wear a royal blue khadi gown with a white stole and the Nalanda University logo embossed on it, whereas the president will wear a deep purple khadi gown with three blue trimmings, gold edging on the front panel, and four chevrons with gold edging on the sleeves. Similarly, the Bihar Chief Minister Nitish Kumar and Governor Ram Nath Kovind, who will be guests of honour, will be wearing royal blue khadi gowns, while Chancellor George Yeo and Vice-Chancellor Gopa Sabharwal will be in brown khadi gowns.

Earlier, the Indian Institute of Technology in Mumbai had also announced the use of khadi in its convocation ceremonies.

Appropriate fabric

"Khadi is climatically a more appropriate fabric for Indian weather conditions," Lord Meghnad Desai, governing board member of Nalanda University, told local journalists in Rajgir. He further said that the university experimented with fabrics woven in and around Nalanda, and in Bihar, and made the choice of trying to innovate with regalia made of khadi, the fabric at the heart of Indian identity with multiple symbolisms.

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां....

Protests in Gorai-Manori

Villagers from the Gorai-Manori belt held a demonstration on Thursday against the proposed development of 190 acres as a tourism zone. The villagers prevented government surveyors from undertaking a survey of the area.

Khadi artisan wages hiked

The daily wages of khadi artisans have been raised from Rs 90 to Rs 190 with the Khadi & Village Industries Commission (KVIC) approving a wage hike as well as market development assistance.

अजब दुनिया

खादी करणार नमस्ते लंडन

लंडन :- जपान आणि लंडनच्या फॅशन शोमध्ये भारताची खादी झळकणार आहे. दीर्घ स्वातंत्र्यलढ्याचं हत्यार आणि भारतीयांसाठी डिझायनर आउटफिट्स मॉडेल्स परिधान करणार आहेत. जपानमधील भारतीय दूतावासाकडून याबद्दलचं अधिकृत निमंत्रण 'मिखादी'ला आलं आहे. लंडनमधील एका नामांकित ब्रँडच्यावतीने आयोजित एका फॅशन शोमध्येही 'मिखादी'चा विशेष सहभाग आहे. लंडनमधील या फॅशन शोमध्ये न्यूयॉर्क आणि लंडनमधील प्रसिद्ध फॅशन डिझायनर आणि हॉलिवूडमधील कलाकारांचा सहभाग आहे.

अभिमान असलेली खादी देशप्रेम व्यक्त करण्याचं प्रभावी माध्यम आहे. सामान्यांच्या अर्थकारणाला चालना देणारी खादीची डिझायनर वस्त्रं आता लंडन आणि जपानमधील फॅशन शोमध्ये झळकणार आहेत. ती तयार केली आहेत, ती मराठमोळे डिझायनर सचिन पाटील यांनी.

जपानमध्ये यावर्षी ७ ते ९ नोव्हेंबरदरम्यान टोकियोमध्ये होणाऱ्या जपान फॅशन एक्झिबिशन आणि 'ट्रेड शो'मध्ये सचिन पाटील यांच्या 'माय इंडियन खादी'चे (मिखादी) अस्सल भारतीय मातीतील खादीची फॅशन आंतरराष्ट्रीय स्तरावरील नामांकित सेलेब्ज मिरवणार असल्यामुळे मला प्रचंड आनंद झाला आहे. जपान आणि लंडनच्या फॅशन शोसाठी आलेलं निमंत्रण खादीच्या जागतिक प्रसारासाठी महत्त्वाचं ठरेल. या देशांमध्ये खादीसाठीची पूरक बाजारपेठ तयार करणं आणि जागतिक बाजारपेठेत खादीची मागणी वाढवणं, यासाठीचे प्रयत्न या शोनिमित्ताने मी करणार आहे.

खादी ने लॉन्च की परिधानों की नई रेंज

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने रीगल बिल्डिंग कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया आउटलेट में रितु बेरी द्वारा पुरुषों और महिलाओं के लिए डिजाइन किए गए परिधान को केंद्रीय मंत्री कलराज मिश्र ने लांच किया। इस दौरान उन्होंने रिबन काटकर व दीपक जला कर विशेष खादी संग्रह का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर सभी को सम्बोधित करते हुए कलराज मिश्र ने कहा कि खादी सभी के लिए है। पिछले कुछ वर्षों में खादी की बिक्री तीन गुना तक बढ़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खादी के ब्रांड एम्बेसडर हैं। इस मौके पर राज्य मंत्री हरिभाई चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री विदेशी दौरों पर खादी को बढ़ावा देते हैं। जबकि, इस अवसर पर रितु बेरी ने कहा कि 25 साल पहले खादी से बने कपड़ों का डिजाइन कर अपने पेशे को शुरू किया था। वहीं, केवीआईसी अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना ने कहा कि खादी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना इतिहास बना रही है। उन्होंने कहा कि बेरी ने अपने प्रयास से खादी को अंतरराष्ट्रीय लुक देने का प्रयास किया है। यहां इंडो-वेस्टर्न के अलावा विभिन्न भारतीय परिधानों को भी दिखाया है।

...mber Of Patents Filed Doubled In 5 Yrs

...ash Sharma
...ogita Rao | TNN

TECH SCHOOL TALKS RESEARCH

PhD Awardees At IIT-Bombay		Patents Filed At IIT-Bombay	
Year	Candidates	Year	Patents
2015-16	325	2015-16	128
2014-15	266	2014-15	72
2013-14	181	2013-14	61
2012-13	180	2012-13	70
2011-12	173	2011-12	61

and engineering department, said while the PhD intake in the institute is almost consistent, funds are coming from different sources including extra fellowships, project grants and faculty-procured funds which has led to the increase in numbers. The IITB-Monash Research Academy, a collaboration between the Powai institute and Monash University, Australia, alone produces around 10-15 PhDs every year, he said.

The PhD student strength has increased to 2,894 in 2015-16, while in 2011-12 it was around 1,879. "We enrolled around 500 PhD candidates this year," Khakhar added. The institute received a funding of around Rs 255 crore this academic year, to sponsor 262 projects.

Rajendra Singh, chairman, Tarun Bharat Sangh and winner of the Stockholm Water Prize 2015, was the chief guest for the occasion where 2,315 students were awarded degrees on successful completion of their academic programmes. For the first time this year, the institute ordered over 3,500 khadi 'uttariya' (stoles) to go with the convocation robes. But a few students were miffed as the institute did away with the tradition of awarding the degree during the convocation ceremony. "Since the total number of students receiving degrees was above 2,500, the institute sent the degrees individually to departments and students were only allowed to greet dignitaries on the dias," said a student.

-old loses 2 ...ers due to

Seven held for robbing duo of 3 mobiles

Centre extends retirement benefits to all Central staff

B. Muralidhar Reddy

NEW DELHI: In a measure that would benefit thousands of Central government employees, the Modi government on Friday extended the benefit of retirement and death gratuity to all, irrespective of the date on which they had entered government service.

Under the existing system the pension of the Government servants appointed on or after January 1, 2004 is regulated by the new Defined Contribution Pension System (know... as National Pension System) whereas tho... who were in service earlier were cove... under the Central Service (Pension) Ru... 1972.

According to a... notification by the Department of Personnel, the issue of grant of gratuity in respect of government employees covered by the National Pension System has been under consideration and it has now been decided that they shall be eligible for benefit of 'Retirement gratuity and Death gratuity' on the same terms and conditions, as are applicable to other employees covered by the Central Service (Pension) Rules, 1972.

It said these orders will be applicable to those...

अब ऑनलाइन भी मिल जाएगी खादी

सुशील मिश्र
मुंबई, 17 अगस्त

पारंपरिक पहचान वाली खादी अब छूट और सहायता के दायरे से बाहर निकलना चाह रही है। खादी ने बाजार की खुली चुनौती स्वीकार करने के साथ आधुनिक व्यावसायिक रणनीति को अपनाना शुरू कर दिया है। फैशनेबल चाल चलने के बाद अब खादी ऑनलाइन राह पर चलने को तैयार है। अपने उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री की तैयारी पूरी कर चुकी खादी अगले पंद्रह दिनों में ऑनलाइन उपलब्ध होगी। उत्पादों को आक्रामकता के साथ बाजार में उतारने के लिए फ्रेंचाइजी देने की तैयारी भी की जा रही है।

विस्तार की पहल

- अपने उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री की तैयारी पूरी कर चुकी खादी अगले 15 दिनों में ऑनलाइन उपलब्ध होगी
- बाजार में धूम मचाने के लिए फ्रेंचाइजी देने की भी हो रही है तैयारी

खादी क्षेत्र में बड़े फैशन डिजाइनरों के शामिल होने के बाद खादी उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ी है। बाजार के रुख को भांपते हुए खादी ग्रामोद्योग अब अपने उत्पादों को ऑनलाइन उपलब्ध करने का जल्द ही ऐलान करने वाला है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष विनय कुमार सक्सेना कहते हैं कि खादी को छूट और सहायता की धारणा से बाहर निकलना होगा। आज समय की मांग है कि हम व्यापार के आदर्श प्रतिमान के रूप में उजागर हों। बाजार की आधुनिक चुनौतियों को हमने स्वीकार किया है जिसको लोगों ने पसंद भी किया है। हर वर्ग के लोग खादी की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए खादी ई कॉमर्स में मंच पर भी उतरने को तैयार है।

सक्सेना कहते हैं कि अगले 15 दिनों में खादी के उत्पाद ऑनलाइन मिलना शुरू हो जाएंगे। इसके लिए ऑनलाइन रिटेलर्स कंपनियों से बात भी हो चुकी है। इसकी पूरी रूपरेखा तैयार की जा चुकी है। हालांकि सक्सेना कंपनियों का नाम लेने से बच रहे हैं। वह कहते हैं कि कंपनियों के नाम लॉन्चिंग के समय बताए जाएंगे। फिलहाल किसी कंपनी का नाम लेना सही नहीं होगा। खादी के 200 से ज्यादा उत्पाद ऑनलाइन मौजूद होंगे और ऑनलाइन बिक्री की निगरानी खादी और ग्रामोद्योग आयोग की निगरानी में की जाएगी।

सक्सेना के मुताबिक खादी बाजार की खुली चुनौती स्वीकार करने में सक्षम है। हमारे उत्पादों की जो गुणवत्ता है वह बाजार में मिलना मुश्किल है। प्रचार-प्रसार और आधुनिक तौर तरीकों में पीछे होने के कारण खादी पिछड़ रही थी जिसमें सुधार किया गया है। इस समय 110 करोड़ रुपये के ऑर्डर हमारे पास हैं जिसमें से 40 करोड़ का ऑर्डर रेलवे का है। रेलवे से 6 लाख बेडशीट और 8 लाख तकिये के कवर का ऑर्डर मिला हुआ है। एयर इंडिया ने 11 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया है।

उन्होंने कहा कि हमारी गुणवत्ता देखने के लिए एयर इंडिया ने पहले 1.25 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया था जिसकी आपूर्ति की जा चुकी है। इसके बाद 9 करोड़ रुपये का दूसरा ऑर्डर मिला है। एनटीपीसी ने 5.5 करोड़ रुपये की 23 हजार जैकेट का ऑर्डर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय और दूसरे मंत्रालयों से भी बड़े ऑर्डर मिले हैं। वह कहते हैं खुदरा बाजार में पिछले तीन महीनों में खादी की बिक्री 92 फीसदी बढ़ी है।

राजधानी-दो

भाई-बहन के साथ जुड़ा स्वदेशी का धागा

दलित महिलाएं बांधेंगी राखी

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां..

Would you wear khadi? City youngsters speak

As handloom and handwoven textiles get an expert revival, Capital youngsters are happy taking up the humble fabric

CULTURE

Snigdha Ahuja

It's the season of celebrating traditional Indian craftsmanship, as weavers take centerstage, and age-old handloom and handcrafted designs take on a more contemporary vibe. And this is not only on the runway, but off it too. Khadi, in this context, has gained a new lease of life. Take for example, designer Ritu Beri, who recently launched a khadi collection at the Khadi India outlet in Connaught Place.

"It was a fabric I used greatly when I started out 25 years ago. I have tried to give khadi a global image and present its versatility in different ways. The effort is to reach out to the youth of India instead of restricting it to the image of yesteryears," says Beri about the collection that includes ghagras, salwars, jackets and more in khadi, for both men and women.

Delhi youngsters are also up for tapping into the indigenous fabric. "I had never thought of giving up my syntheties for khadi. But now, I don't mind picking up the fabric, especially because it's no longer something you don't find across brands. For me, the rustic feel of it adds to its appeal," says 27-year-old Shashwat Gupta. Aakriti Mehta agrees. She says, "I love getting my own easy-fit khadi dresses stitched. They are stylish and a little 'hatke'." Neil Suri, 19, who believes that reviving this handspun fabric is a family thing, says, "My mother loves to experiment with khadi and that's how I got interested in it. Plus it has a historic value."

snigdha.ahuja@hindustantimes.com

The effort is to reach out to the youth of India with khadi, instead of restricting it to the image of yesteryears

RITU BERI, DESIGNER

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

Khadi &Village Industries Commission
met#ce, uelegDeewj ceO³ece GĐece
ceb$eeue³e, YeejlemejkeÅej
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises, Govt. of India

Press Release

On 70th Independence KVIC Reiterates to Endow Economic freedom to the spinners and weavers of the Sector

Khadi and Village Industries Commission, Mumbai celebrated the 70th Independence with full vigour and fervor on 15th August, 2016. Shri Arun Kumar Jha, CEO, KVIC hoisted the National flag in the premises of KVIC, H.Q.Mumbai. Addressing on this occasion the Chief Executive Officer reiterates to reach to the last man of the sector, and the spinners and weavers. Khadi and Village Industries is the only sector which can make possible economic freedom to our nationals, he added.

Shri Parag Alwani, MLA, Vile Parle Constituency, on this event launched the tri-colour Rakhi and the Designer's collection of Khadi, in the august presence of Shri Arun Kumar Jha, CEO, Shri Mohit Jain, CVO, Dy. CEO's KVIC in addition to the loyal customers and staff of KVIC.

The major attraction of the Day was Skit on Prime Ministers' Employment Generation Programme by Rajiv Gandhi college students, in addition to demonstration of Khadi and Village industries activities like live pottery demo, beekeeping activities and spinning on solar Charkha. The customers visiting **'Khadi India'** Sales outlet on 15th August were welcomed with garland(Gundi) made of hand-spun Khadi yarn. The Bhavan is offering upto 20% discount on sale of Khadi clothes introduced on Independence Day in the flagship 'Khadi India' sales outlet Mumbai.

The employees of KVIC wore Khadi clothes and displayd the stickers written with **"I Love Khadi"** and in Hindi **'Mein Khadi Premi Hoon'.**

Sd/-
Chief Executive Officer
Khadi and Village Industries Commission

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां

KVIC REITERATES TO ENDOW ECONOMIC FREEDOM TO THE SPINNERS

Mumbai | Agencies

Khadi and Village Industries Commission, Mumbai celebrated Independence with full vigour and fervor. Arun Kumar Jha, CEO, KVIC hoisted the National flag in the premises of KVIC, H.Q. Mumbai. Addressing on this occasion the Chief Executive Officer reiterates to reach to the last man of the sector, and the spinners and weavers. Khadi and Village Industries is the only sector which can make possible economic freedom to our nationals, he added.

Parag Alwani, MLA, Vile Parle Constituency, on this event launched the tri-colour Rakhi and the Designer's collection of Khadi, in the presence of Arun Kumar Jha, CEO, ...hit Jain, CVO, Dy. CEO's ...IC in addition to the ...al customers and staff ...KVIC.

...he major attraction of ...Day was Skit on Prime ...isters' Employment ...ration Programme by ... Gandhi college stu... in addition to demon...n of Khadi and Village industries activities like live pottery demo, beekeeping activities and spinning on solar Charkha. The customers visiting 'Khadi India' Sales outlet on 13th August were welcomed with garland(Gundi) made of hand-spun Khadi yarn. The Bhavan is offering upto 20% discount on sale of Khadi clothes introduced on Independence Day in the flagship 'Khadi India' sales outlet Mumbai. The employees of KVIC wore Khadi clothes and displayd the stickers written with "I Love Khadi" and in Hindi 'Mein Khadi Premi Hoon'.

इंडिपेंडेंस डे पर सजा खादी बाजार

खादी ग्रामोद्योग स्वतंत्रता दिवस मनाने तैयार

तिरंगा साबुन

खादी दुकानों में ग्राहकों का विशेष स्वागत

रक्षाबंधन पर खादी राखी

डिजायनर कुर्ता पहन जाऊंगा स्कूल

खादी में दिखा हिंदुस्तान

मेरी जान है तिरंगा

हर भारतीय कुर्बान होने रहता है तैयार

22 जुलाई 1947 को अपनाया गया तिरंगा

तिरंगे का आकार

कोरा केंद्र में भी बनता रहा तिरंगा

राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के नियम

कर्नाटक ... आता है तिरं...

देशबन्धु

Influencing Public Opinion Since 1959

इस बार स्वतंत्रता दिवस होगा खादीमय

Friday, Aug 12,2016, 12:44:28 PM

इस बार स्वतंत्रता दिवस होगा खादीमय

लाल किले पर सलामी से पहले हर जगह तिरंगा

स्वतंत्रता दिवस से पहले शनिवार को ऑटो रिक्शा पर लगे झंडे।

- झंडों और दुकानों पर लगाया तिरंगा
- तिरंगी चूड़ियां और टी-शर्ट की भी धूम
- खादी आयोग ने तैयार की तिरंगी पोशाक

Centre, state govt staff may soon have to wear khadi once a week to office

Kumar Uttam and Moushumi Das Gupta

NEW DELHI: Khadi for nation, khadi for fashion: Prime Minister Narendra Modi's call to promote the signature fabric of India has caught on.

Central and state employees may soon have to sport khadi – once a week at least. The Khadi and Village Industries Commission (KVIC), which promotes use of the cotton fabric, has requested all chief ministers to appeal to their employees to wear khadi once a week, say, every Friday. It earlier made a similar request to the Centre.

"This will greatly support the khadi sector and rural artisans will get sustainable additional employment. The state government employees will also get the benefit of wearing skin-friendly natural fabric," reads KVIC chairman Vinai Kumar Saxena's letter to CMs.

STYLE STATEMENT

A number of ministries, departments and PSUs ordered for KVIC products worth ₹110 crore in the last 7-8 months

WHO	ORDER	VALUE
PMO	File cover/staff dress	₹30 lakh+
Railways	Bedsheets/pillow covers/blankets	₹40 crore
Indian Coast Guard	Carpets	₹35 lakh
NTPC	Silk jackets	₹5.5 crore
Air India	Amenity kits (toiletries)	₹10.25 crore
Other ministries	Yoga kits	₹71 lakh

States such as Maharashtra, Uttar Pradesh and Gujarat have already decided that government employees should wear khadi one day a week, although it has not been made mandatory.

With the Modi government's push for using khadi – associated with India's freedom struggle – finding takers, the KVIC is on an overdrive to promote its products. The last seven months has seen a deluge of orders for KVIC products.

Starting from the Prime Minister's Office (see box) that has placed orders over ₹30 lakh for handmade paper file cover and khadi dresses for its staff to the railways that in the past eight months placed orders of ₹40 crore for supply of six lakh bedsheets, eight lakh pillow covers and 75,000 blankets, the KVIC has its hands full.

In November, for a global conference that it organised in Delhi, the Central Bureau of Investigation (CBI) ordered gifts packs comprising tie and scarf for delegates. Ahead of the International Yoga Day on June 21, KVIC supplied kits worth ₹71 lakh to various ministries, PSUs, corporates and even political parties.

PSUs under the petroleum ministry have placed order for 50,000 small towels. Instructions have also been issued to PSUs to ask employees to wear Khadi once a week.

"This is a far cry from the situation prevailing over a year back. Earlier, orders from the railways never exceeded ₹2 crore. When our spinners and weavers had just 3-5 hours of work, it has now gone upto 8 hours. In the last eight months alone, orders worth ₹110 crore has been placed with KVIC," Saxena said.

RSS TO MARK

यदि रंग गोरा करने वाली क्रीम होती तो बाजार क्षेत्र भारत नहीं अफ्रीका होता और ओबामा और ओपेरा विनफ्रे जैसे अरबपति काले नहीं होते।*यदि कद लंबा करने वाली दवा सच में कद बढ़ाती* तो नेपाल और चाईना की खपत ही पूरी नहीं हो पाती।*यदि बाल काले, मुलायम, रेशमी करने वाला शैम्पू होता* तो वेस्टइंडीज अफ्रीका वालो के बाल चपटे नही होतेआज जितनी भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों वाले है सबने भारत को मार्केटिंग अड्डा बना लिया है क्यों की
भारत में जरूरत की चीजें नहीं खरीदी जाती बल्कि विज्ञापन देखकर जरूरत महसूस कराई जाती है।

Jay Hind

Production of khadi must be increased, says commission

MUMBAI: The Khadi and Village Industries Commission (KVIC) on Monday said it will help spinners and weavers gain economic freedom. "KVIC reiterates [its resolve] to reach the last man of the sector and is the only industry which can bring economic freedom to our nationals," Arun Kumar Jha, CEO, KVIC, said.

Mr. Jha also spoke of an urgent need to increase production of khadi. Besides, KVIC is focussing on improving design parameters while bringing out khadi in wool, linen, silk and muslin. A massive marketing drive is also being planned to boost sales of the fabric. At the same event, MLA Parag Alwani launched a tricolour rakhi and a designer khadi collection.

The big draw of the day was a skit by students of the Rajiv Gandhi College on the Prime Minister's employment generation programme, in addition to demonstrations of khadi and village industries activities like live pottery demo, bee-keeping and spinning on solar charkha. The Khadi Bhavan is offering up to 20 per cent discount on the sale of khadi clothes introduced on Monday at the 'Khadi In...

Absolute India

British Minister Priti Patel calls on PM

Five get judicial custody till Augu...

CHINESE FM CALLS ON PM, HOLDS TALKS WITH SWARAJ

Wreckage of second bus found

This Independence Celebration: Khadi way

15 अगस्त पर खादी ग्रामोद्योग ने उतारे नये प्रोडक्ट

नई दिल्ली, (राहुल शर्मा): स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पहली बार खादी ग्रामोद्योग (खादी इंडिया) ने तिरंगे की छवि वाला साबुन, अगरबत्ती, मोदी जैकेट, टी-शर्ट और महिला परिधान बाजार में उतारे हैं। पहली बार विशेष प्रकार की तिरंगा राखी भी तैयार की गई है। एकाएक इस शुरुआत को खूब सराहा जा रहा है और खादी ग्रामोद्योग भवन के केन्द्र पर 25 से 30 फीसदी बिक्री में इजाफा भी हुआ है।

एक्सक्लूसिव

खादी ग्रामोद्योग में तिरंगा और तिरंगे की शर्ट ने मचाई धूम। छाया: टीपू सुल्तान

खासकर तिरंगे में रंगी मोदी जैकेट को पसंद किया जा रहा है जिसकी काफी मांग दर्ज की गई है।इस जैकेट को 15 अगस्त के बाद सामान्य तौर पर भी पहना जा सकेगा और उसके ऊपर लगी तिरंगे की पट्टी को हटा सकेंगे। 250 रुपए की अगरबत्ती से लेकर 2500 रुपए की मोदी जैकेट यहां उपलब्ध है। खादी ग्रामोद्योग भवन केन्द्रों पर यूं तो हर आकार का तिरंगा उपलब्ध रहता है, लेकिन इस बार विशेष तौर पर 15 अगस्त को ध्यान में रखते हुए कुछ विशेष प्रोडक्ट को पेश किया गया है। इसके पीछे स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मंत्रालय की प्रेरणा बताई जा रही है। इस कड़ी में बीते 9 अगस्त को पहली बार कनाट प्लेस स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन सहित दूसरे केन्द्रों पर नये प्रोडक्ट उतारे गए। इसमें तिरंगा छवि वाली मोदी जैकेट की काफी धूम मची हुई है। युवा से लेकर बड़े, सभी इस जैकेट के दिवाने हैं, दरअसल इस जैकेट का इस्तेमाल केवल 15 अगस्त ही नहीं, बल्कि उसके बाद भी किया जा सकेगा। इस वजह से यह सभी को पसंद आ रही है और खरीदारी करने आए लोग इसे देखते ही खरीदने के लिए टूट पड़ते हैं।

तिरंगा राखी और मोदी जैकेट की है खूब मांग खादी केन्द्र पर रोजाना की बिक्री 10 लाख पार पहुंची

इसके अलावा तिरंगे के रंग में रंगी टी-शर्ट, कुर्ता और महिला परिधान भी उपलब्ध हैं। इनके अलावा पहली बार तिरंगा राखी तैयार की गई है।

15 अगस्त पर तैयार परिधानों के अलावा राखी की काफी बिक्री हो रही है।विशेषकर बच्चे तिरंगा राखी, साबुन और अगरबत्ती को पसंद कर रहे हैं। खादी ग्रामोद्योग के प्रबंधक एके गर्ग बताते हैं कि यह पहली बार है कि जब स्वतंत्रता दिवस को ध्यान में रखकर कुछ नई चीजें पेश की गई हैं।इसका पूरा श्रेय वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हैं, जो कि खादी ग्रामोद्योग को लगातार आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।

इसी के मद्देनजर कई माह पहले से ही खादी ग्रामोद्योग के केन्द्रों पर 15 अगस्त पर बेचे जाने वाली चीजों पर योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू कर दिया गया था। मंत्रालय, चेयरमैन और सीईओ सभी की मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिल रहा है। आमतौर पर कनाट प्लेस स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन पर रोजाना सात से आठ लाख रुपए की बिक्री होती है, लेकिन बीते 9 अगस्त से स्वतंत्रता दिवस के सामान बेचने के बाद से एकाएक बिक्री बढ़कर 10 लाख को पार कर चुकी है।

समाचार पत्रों में प्रकाशित खादी ग्रामोद्योग जगत की सुर्खियां

मेरी जान है तिरंगा

हर भारतीय कुर्बान होने रहता है तैयार

22 जुलाई 1947 को अपनाया गया तिरंगा

कर्नाटक से आता है तिरंगा

तिरंगे का आकार

कोरा केंद्र में भी बनता रहा तिरंगा

राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के नियम